

समझौते के लिए आवेदन किन कार्यवाहियों के संबंध में है, ये कार्यवाहियाँ कब से संबंधित हैं और किस धन-कर/प्राधिकारी के समक्ष संबंधित हैं। (टिप्पण 6 देखिए)।

8. जहाँ पुनरीक्षण के लिए कोई अपील या आवेदन, यथास्थिति, पुनरीक्षण के लिए ऐसी अपील या आवेदन के फाइल किए जाने के लिए निविष्ट कालावधि की समाप्ति के पश्चात् किया गया है, वहाँ ऐसी अपील या पुनरीक्षण स्वीकार किया गया हो, प्रयत्न नहीं।
9. धन-कर अधिनियम की धारा 37-क के अधीन अभिग्रहण की तारीख, यदि कोई हो।
10. समझौते के लिए विवादकों की विनिष्टियाँ, मामले की प्रकृति और परिस्थितियों और उगमें अन्तर्ग्रस्त अन्वेषण की जटिलताएँ। (टिप्पण 7 देखिए)
11. उस आय का पूर्ण और सही प्रकटन जो निर्धारण अधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की गई है, वह रीति जिसमें ऐसी आय व्युत्पन्न हुई है और ऐसी आय पर संदेय धन-कर की प्रतिरिक्त रकम (टिप्पण 9 और टिप्पण 10 देखिए)।

हस्ताक्षर

(आवेदक)

सत्यापन

मैं, जो श्री का पुत्र/पुत्री/पत्नी हूँ सत्य निष्ठा से घोषित करता हूँ कि ऊपर और उपाबंध में जिसके अन्तर्गत ऐसे उपाबंध के साथ संलग्न कथन और वस्तावेज भी हैं) जो कथित किया गया है, वह मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है। मैं यह और घोषित करता हूँ कि मैं पञ्चाभिधान के रूप में अपनी हैसियत में इस आवेदन को कर रहा हूँ और मैं इस आवेदन को करने के लिए और उसे सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

आज तारीख को सत्यापित किया गया।

स्थान :

हस्ताक्षर

टिप्पण :

(आवेदक)

1. समझौते के लिए आवेदन पांच प्रतियों में होना चाहिए।
2. समझौते के आवेदन के साथ पांच सौ रुपये की एक या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जाएगी और तीन प्रतियों में जालान समझौते के आवेदन के साथ समझौता आयोग की भेजा जाएगी। समझौता आयोग बैंक, डाफ्ट हुण्डो या अन्य परकाम्य विहित स्वीकार नहीं करेगा।
3. *आवेदन का संस्थापक और वर्ष समझौता आयोग के कार्यालय में भरे जाएंगे।
4. कृपया यह बताएं कि आवेदक व्यक्ति है या हिन्दू अभिभक्त कुटुम्ब, कम्पनी, फर्म, व्यक्ति-संगम आदि हैं।
5. यदि रिक्त स्थान यथेष्ट प्रतीत नहीं होता है तो इस प्रयोजन के लिए पृष्ठ संलग्नकों का प्रयोग किया जा सकता है।
6. निर्धारण कार्यवाहियों की तलाश में उस निर्धारण अधिकारी के पदाभिधान का उल्लेख किया जाए जिनके समक्ष कार्यवाहा संबंधित है

और यह भी उल्लेख किया जाए कि धन-कर अधिनियम, 1957 की धारा 14(2)/धारा 17 के अधीन सूचना की तारीख कि तारीख की गई थी या, यथास्थिति, उक्त अधिनियम की धारा 14 के अधीन विवरणों कि तारीख को फाइल की गई थी। प्रतीति कार्यवाहियों की दशा में यह बताएं कि प्रतीति किन प्राधिकारी के समक्ष और किस तारीख को फाइल की गई है। पुनरीक्षण याचिका की दशा में यह बताएं कि पुनरीक्षण याचिका किस तारीख को फाइल की गई थी और क्या वह याचिका समय के भीतर फाइल की गई थी।

7. उन विवादकों के पूरे व्योरे जिनके लिए समझौते का आवेदन किया गया है, मामले की प्रकृति और परिस्थितियों और उगमें अन्तर्ग्रस्त अन्वेषण की जटिलताएँ मद 10 के मामले अन्वेष्य वर्गीकृत जाने चाहिए। जहाँ आवेदन का संबंध है एक निर्धारण वर्ष से अधिक निर्धारण वर्षों से है, वहाँ पर व्योरे निर्धारण वर्षवार दिए जाने चाहिए।
8. आवेदक को मामले के समझौते के लिए किए गए आवेदन को वापस लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
9. मद 11 में निविष्ट धन पर संदेय धन-कर की प्रतिरिक्त रकम की संगणना धारा 22ग की उपधारा 1(क) से 1(घ) में अधिकृत रीति में की जाएगी।
10. मद 11 में निविष्ट व्योरे इन आवेदन के उपाबंध में दिए जाएंगे।

उपाबंध

धन-कर अधिनियम, 1961 की धारा 22ग (1) के

अधीन आवेदन की मद 11 में निविष्ट विनिष्टियों को अंतर्विष्ट करने वाला कथन।

1. धन की वह रकम जो निर्धारण अधिकारी के समक्ष प्रकट नहीं की गई है।
2. उक्त धन पर संदेय धन-कर की प्रतिरिक्त रकम
3. समझौता किए जाने वाले विवादकों की बाबत जिसके अन्तर्गत आवेदन द्वारा ईप्सित समझौते के निबंधन भी हैं, तथ्यों का पूर्ण और सही विवरण।
4. रीति जिसमें मद सं. 1 में निविष्ट आय व्युत्पन्न सही है।

स्थान :

तारीख

हस्ताक्षर

(आवेदक)

टिप्पण : उपाबंध के साथ निम्नलिखित संलग्न होना चाहिए—

- (i) विवरण जिसमें/जिनमें उस निर्धारण वर्ष या वर्षों के लिए जिनसे अधिनियम के उपबंधों के अनुसार समझौते के आवेदन का संबंध है, आवेदन की कुल धन की उगमता सम्मिलित है;
- (ii) सूचकांक को तारीख को भारत में और उसके बाहर अवस्थित नास्तियों (जंगल और स्थावर) और जंगलों का एक विस्तृत विवरण।

[फाइल सं. 8073/134/3/87 टीपीएल]

डॉ. विजय, निदेशक (टीपीएल-3)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 17th August, 1988

NOTIFICATION

WEALTH-TAX

S.O. 761(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely :—

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Third Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Wealth-tax Rules, 1957, for Form DA the following form shall be substituted, namely :—

FORM DA

(See rules 4A and 4AA)

Form of application for settlement
of cases under section 22C(1)
of the Wealth-tax Act, 1957

IN THE SETTLEMENT COMMISSION.....

*Settlement application No.....19.....19.....

1. Full name and address of the applicant
2. Permanent Account Number
3. Status [See Note 4]
4. The Commissioner having jurisdiction over the applicant
5. Assessment year(s) in connection with which the application for settlement is made
6. Date of filing the return of wealth for assessment year(s) referred to in column 5.
7. Proceedings to which application for settlement relates, the date from which proceedings are pending and the wealth-tax authority before whom the proceedings are pending [See Note 6].
8. Where any appeal or application for revision has been preferred after the expiry of the period specified for the filing of such appeal or application for revision, as the case may be, whether such appeal or revision has been admitted.
9. Date of seizure, if any, under section 37A of the Wealth-tax Act.
10. Particulars of the issues to be settled, nature and circumstances of the case and complexities of investigation involved [See Note 7].

11. Full and true disclosure of wealth which has not been disclosed before the Assessing Officer, the manner in which such wealth has been derived and the additional amount of wealth-tax payable on such wealth [See Notes 9 and 10].

Signed
(Applicant)

VERIFICATION

I.....son/daughter/wife of.....
do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief, what is stated above and in the Annexure [including the statement(s) and documents accompanying such Annexure] in correct and complete. I further declare that I am making this application in my capacity as.....and that I
(designation)
am competent to make this application and to verify it.

Verified today the.....day of.....19.....
Place.....

Signed
(Applicant)

Notes :—

1. The application for settlement must be in quintuplicate.
2. The application for settlement must be accompanied by a fee of five hundred rupees. The fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India and the triplicate challan sent to the Settlement Commission with the application for settlement. The Settlement Commission will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.
3. *The number and year of application will be filled in, in the office of the Settlement Commission.
4. Please state whether individual, Hindu undivided family, or a company.
5. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. In case of assessment proceedings, indicate the designation of the Assessing Officer before whom the proceedings are pending indicating also the date of service of notice under section 14(2)/section 17 of the Wealth-tax Act, 1957, or, as the case may be, the date of filing of the return under section 14 of the said Act. In case of appellate proceedings, indicate the appellate authority before whom the appeal is filed and the date of filing of the appeal. In

case of revision petition indicate the date of filing the revision petition and whether the same is filed within time or not.

7. Full details of issues for which application for settlement is made, the nature and circumstances of the case and complexities of the investigation involved must be indicated against item 10. Where the application relates to more than one assessment year, these details should be furnished for each assessment year.
8. The application for settlement of a case shall not be allowed to be withdrawn by the applicant.
9. The additional amount of wealth-tax payable on the wealth referred to in item 11 should be calculated in the manner laid down in sub-sections (1A) to (ID) of section 22C.
10. The details referred to in item 11 shall be given in the Annexure to this application.

ANNEXURE

STATEMENT CONTAINING PARTICULARS REFERRED TO IN ITEM 11 OF THE APPLI- CATION UNDER SECTION 22C(1) OF THE WEALTH TAX ACT, 1957

1. Wealth which has not been disclosed before the Assessing Officer

2. Additional amount of wealth-tax payable on the said wealth
3. Full and true statement of facts regarding issues to be settled, including the terms of settlement sought for by the applicant
4. The manner in which the wealth referred to in item No. 1 has been derived.

Place.....

Date.....

.....

Signed
(Applicant)

Note:—The Annexure should be accompanied by—

- (i) a statement(s) containing computation of net wealth of the applicant for the assessment year or years to which the application for settlement relation, in accordance with the provisions of the Act; and
- (ii) a detailed statement of assets (movable and immovable) and debts, located in India and outside, as on the valuation date.”

(No. 8073 F. No. 134/3/87-TPL)

K. K. MITTAL, Director (TPL-III)



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 409]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 17, 1988/श्रावण 26, 1910

No. 409]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 17, 1988/SRAVANA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विस्त संज्ञालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

नई दिल्ली, 17 अगस्त, 1988

अधिसूचना

आय-कर

का. प्रा. 762(अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा रद्द शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (संशोधन संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 आय-कर नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में पृष्ठ संख्या 34ख के स्थान पर, निम्नलिखित प्रकृति रखा जाएगा, अर्थात्:—

"पृष्ठ सं 34 ख

(नियम 44ग और नियम 44गक देखिए)

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 145ग (i) के अधीन मामले के समझौते के लिए आवेदन का प्रकृति समझौता अध्याय, के समझ

*समझौता आवेदन सं 19 19

1. आवेदक का पूरा नाम और पता

2. स्थायी लेखा संख्यांक

3. प्राप्ति, (टिप्पण 4 देखिए)

4. आवेदक पर अधिकांशित रखने वाला आयुक्त

5. निर्धारण वर्ष प्रतिके (प्रतिके) संबंध में समझौते के लिए आवेदन किया गया है

6. स्तंभ 5 में निर्दिष्ट निर्धारण वर्ष के लिए आय की विवरणी फाइल करने का तारीख

7. समझौते के लिए आवेदन किन कार्यवाहियों के संबंध में है, वे कार्यवाहियां कब से संबंधित हैं और किस प्राधिकारी के समक्ष संबंधित हैं (टिप्पण 6 देखिए)

8. जिस पुनरीक्षण के लिए कोई अपील या आवेदन, अथवास्थिति पुनरीक्षण के लिए ऐसी अपील या आवेदन के फाइल किए जा के लिए निर्दिष्ट कब तक को समाप्ति के पश्चात् किया गया है, चाहे ऐसी अपील या पुनरीक्षण स्वीकार किया गया हो अथवा नहीं

9. आय-कर अधिनियम की धारा 132 के अधीन अधिग्रहण की तारीख, यदि कोई हो